चैत्र नवरात्रि के साथ ही हिंदू नववर्ष का भी आरंभ होगा

सर्वार्थ सिद्धि, इंद्र योग और रेवती नक्षत्र में चैत्र नवरात्रि पर्व 30 से हाथी पर सवार होकर आएंगी माता दुर्गा, इस बार 8 दिन होगी पूजा

हरिभूमि, जबलपुर

चैत्र नवरात्रि यानि शक्ति की साधना का महापर्व 30 मार्च से शुरू होगा, जिसका समापन 6 अप्रैल को होगा। दरअसल इस बार नौ की बजाए आठ दिन तक चलने वाले इस महापर्व के साधक शक्ति की देवी की आराधना और मंत्र जाप आदि से मां दुर्गा को प्रसन्न करेंगे। मां त्रीशक्तिपीठ के पुजारी पंडित शिवशंकर दुबे ने बताया कि नवरात्रि की शुरुआत 30 मार्च से सर्वार्थ सिद्धि, इंद्र योग और रेवती नक्षत्र में होगी।

इसके बाद पूरे 8 दिनों में चार दिन रवियोग तथा तीन दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग रहेगा। यह सभी योग पूजा और खरीदारी के लिए शुभ माने जाते हैं। चैत्र नवरात्रि के साथ ही हिंदू नववर्ष का भी आरंभ भी होगा।

नवरात्रि पर बन रहे सभी योग पूजा और खरीदारी के लिए शुभ माने जाते हैं

मां दुर्गा की मन से पूजा करने पर हर साधक की मनोकामना अवश्य ही पूरी होती है

नौ स्वरूपों की होगी पूजा

नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-आराधना की जाएगी। इसमें प्रथम दिवस शैलपुत्री की आराधना होगी, जो इच्छा व संकल्प शक्ति की दात्री हैं। इसी तरह दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तृतीया को चंद्रघंटा, चतुर्थी को कुष्मांडा, पंचमी को स्कंध माता, षष्ठी को कात्यायनी, सप्तमी को कालरात्रि, अष्टमी को महागौरी और नवमीं को सिद्धिदात्री देवी की पूजा-आराधना की जाएगी।

हाथी पर सवार होकर मां के आने से धन धान्य में होती है वृद्धि

पंडित शिवशंकर दुबे ने बताया कि चैत्र नवरात्रि का आरंभ इस साल रविवार से हो रहा है, यानी कि इस साल मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। मां दुर्गा का हाथी पर सवार होकर आना बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। ऐसा होने से धन धान्य में वृद्धि होती है और देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होता है। मां दुर्गा हाथी से आएंगी और हाथी से ही प्रस्थान करेंगी। यह बहुत ही शुभ माना जा रहा है। इस शुभ अवसर पर मां दुर्गा की मन से पूजा करने पर आपकी हर मनोकामना सिद्ध हो सकती है।

गेल भेल के साथ मिलकर नगर निगम ने शुरु की तैयारी

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने कठौंदा में बने सीएनजी प्लांट

जबलपुर।

नगर निगम ने शहर में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर निगम कठौंदा में एक नया बायो सीएनजी प्लांट स्थापित करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य नगर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और पर्यावरण को सुरक्षित रखना है। इस प्लांट की स्थापना के लिए पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर गेल और ओएनजीसी के साथ चर्चा जारी है। केंद्र सरकार पहले ही इस परियोजना को हरी झंडी दे चुकी है, जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि यह प्रोजेक्ट जल्द ही धरातल पर उतरेगा।

नगर निगम का यह कदम शहर के लिए न केवल ऊर्जा के एक नए स्रोत का निर्माण करेगा, बल्कि वायु प्रदूषण को भी कम करने में मदद करेगा। बायो सीएनजी प्लांट में कचरे से बायो सीएनजी गैस तैयार की जाएगी, जिसका उपयोग नगर में चलने वाले वाहनों को ईंधन देने के लिए किया जाएगा। इससे प्रदूषण के स्तर में भी कमी आने की संभावना है और शहर में स्वच्छ परिवहन प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा।

हर दिन 150 टन गोबर की होगी खपत

नगर निगम की योजनाओं के अनुसार, कठौंदा में स्थापित होने वाला बायो सीएनजी प्लांट 200 टन क्षमता का होगा। इस प्लांट में प्रति दिन लगभग 150 टन गोबर की खपत होगी। इसके अलावा, पीपीपी मोड पर प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर के सहयोग से परियोजना को सफलतापूर्वक लागू करना है। अनुमान है कि इस प्रोजेक्ट को लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जाएगा।

सोलर एनर्जी पर भी नगर निगम का ध्यान

नगर निगम ने सोलर एनर्जी के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाने की योजना बनाई है। इसके तहत, झाबुआ, मुरैना और अन्य स्थानों पर सोलर एनर्जी प्लांट की स्थापना की जाएगी। इस योजना के लिए नगर निगम ने डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह सोलर एनर्जी प्लांट नगर निगम के बिजली बिलों में भारी बचत करने में मदद करेगा, जिससे हर साल करोड़ों रुपये की बचत की उम्मीद जताई जा रही है।

नगर निगम आयुक्त की प्रतिक्रिया

नगर निगम की आयुक्त प्रीति यादव ने इस संबंध में कहा, "हमारा मुख्य उद्देश्य शहर में ग्रीन एनर्जी का प्रयोग बढ़ाना और पर्यावरण की सुरक्षा करना है। बायो सीएनजी प्लांट और सोलर एनर्जी प्लांट की स्थापना से न केवल ऊर्जा संकट में कमी आएगी, बल्कि इनसे जुड़ी प्रदूषण समस्याओं का समाधान भी होगा। केंद्र सरकार द्वारा बायो सीएनजी प्लांट की स्थापना के लिए स्वीकृति मिल चुकी है, और हम ओएनजीसी तथा गेल के साथ मिलकर इसे पीपीपी मोड पर स्थापित करेंगे।

त्रिपुर सुंदरी माता की दानपेटी से निकले लाखों रूपये

इस बार दानपेटियां खुलीं तो उनमें ऐसी कुछ दिलचस्प अर्जियां मिलीं

जबलपुर। तेवर ग्राम स्थित राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी माता मंदिर की दानपेटियों में भक्तजन रुपए, सोना, चांदी के साथ अपनी तरह तरह की अर्जियां भी लिखकर डाल रहे हैं। इस बार दानपेटियां खुलीं तो उनमें ऐसी कुछ दिलचस्प अर्जियां मिलीं। किसी अर्जी में युवती ने माता रानी से विवाह करवा देने की गुहार लगाई थी, तो किसी में छात्र ने परीक्षा में फेल होने से बचाने की गुजारिश की। बिजनेस चल निकलने पर माताजी को थैंक्स लिखकर भी भक्तों ने दानपेटी में पर्चा डाला। दान पेटियां 17 मार्च को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में खोली गईं। भक्तों ने पांच माह में कुल 16 लाख 62 हजार 072 रुपए माता को अर्पित किए। दान राशि गिनती के दौरान एसडीएम गोरखपुर अनुराग सिंह, पंचायत के अधिकारियों सहित मंदिर के मुख्य पुजारी रमेश प्रसाद दुबे, सहायक पुजारी भूरेलाल दुबे, नितिन दुबे, देवी सिंह राजपूत, श्यामलाल कोरी, श्यामसुंदर मेहरा, जमुनाप्रसाद, रोहणी सेन व अन्य मौजूद थे।

एक हजार के नोट भी निकले

गिनती में शामिल मंदिर प्रबंधन के लोगों ने बताया कि दानराशि की गिनती में 12 लाख 86 हजार 031 रु नकदी निकली। वहीं कार्यालय में रसीद से प्राप्त दान राशि 3 लाख 76 हजार 41 रुपए निकली। हैरानी की बात यह है कि बंद हो चुके पुराने एक हजार रुपए के दो नोट भी दानपेटी से निकले। त्रिपुर सुंदरी को भक्तों ने करीब सवा तोला सोना के गहने व दो किग्रा से अधिक चांदी भी अर्पित की। मालूम हो कि इसके पूर्व गत शारदेय नवरात्र के पहले अक्टूबर 2024 में दानपेटियां खोली गई थीं।

नोटों में लिपटी थीं अर्जियां

गिनती करने वालों ने बताया कि दानपेटियों से निकले कई नोटों में कागज की पर्चियां भी लिपटी हुई थीं। इनमें देवी से तरह-तरह की अर्जियां लगाई गई थीं। किसी ने लिखा था कि उसका विवाह करवा दो मां, तो किसी ने लिखा था धंधा चलने लगा माता, थैंक्स। एक भक्त ने पुत्री की कामना भी लिखी थी।

छह घंटे चली गिनती

मंदिर प्रबंधन ने बताया कि गोरखपुर एसडीएम कार्यालय के कर्मियों, अफसरों व मंदिर से जुड़े अन्य लोगों की मौजूदगी में दान पेटियां खोली गईं। खुलने के बाद सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक करीब 125 लोगों ने दान राशि के नोटों की गिनती की। दान राशि बैंक अधिकारियों को सौंप दी गई है। इसके अलावा दान पेटियों से सोना-चांदी भी निकला। अधिकृत पारखी ने जेवरों की परख व तोल की। इस दौरान सोने की नथ, बालियां, बेंदी व अन्य छोटे आभूषण करीब सवा तोले के मिले। कमरबंद, पायल, बिछिया सहित दो किलो चांदी के आभूषण पेटी से निकले।

कटनी मुड़वारा स्टेशन पर रेलवे ने की किलाबंदी, टिकट चेकिंग अभियान चलाया

जबलपुर।

जबलपुर मंडल पर यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेलवे ने कटनी मुड़वारा स्टेशन पर एक किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री कुशाल सिंह के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के निर्देशन में आयोजित किया गया।

कटनी मुड़वारा स्टेशन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक-2 श्री शशांक गुप्ता की अगुवाई में आज सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में 35 टिकट

चेकिंग स्टाफ और 5 आरपीएफ स्टाफ शामिल थे। अभियान के दौरान स्टेशन के बाहर जाने वाले रास्ते को घेराबंदी करके यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी यात्री बिना टिकट चेकिंग के स्टेशन से बाहर न जाए।

अभियान के दौरान कुल 10 यात्री गाड़ियों की जांच की गई, जिसमें 450 यात्रियों से लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये का रेल राजस्व एकत्रित किया गया। कई यात्रियों को अनियमित टिकट के साथ और अनाधिकृत रूप से यात्रा करते हुए पकड़ा गया। रेलवे द्वारा यह जांच अभियान अवैध वेंडरों, ऑटो चालकों और प्लेटफार्म पर बिना टिकट घूम रहे लोगों के खिलाफ भी की गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि यह अभियान आगामी दिनों में भी विभिन्न स्टेशनों पर जारी रहेगा। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे हमेशा उचित टिकट लेकर यात्रा करें और प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए टिकट होना आवश्यक है।

बढ़ते अपराध पर रांझी थाने का घेराव आज

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव राजेश यादव ने बताया कि 22 मार्च को रांझी, गोकलपुर क्षेत्र में बढ़ते अपराध को लेकर रांझी थाने का घेराव किया जाएगा। क्षेत्र में लगातार लूट, चाकूबाजी, नशे का कारोबार फलफूल रहा है, परंतु रांझी पुलिस का रवैया उदासीन बना हुआ है, पुलिस संरक्षण में अवैध कारोबार बढ़ रहा है, जिसके विरोध में 22 मार्च को मध्यान्ह 12 बजे रांझी थाने का घेराव किया जाएगा। उपस्थिति की अपील राजेश यादव व कांग्रेसजनों ने की है।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

जबलपुर। एनएफआईआर/ डब्ल्यूसी आर एमएस के आव्हान पर **UPS/NPS** एवं मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ मण्डल रेल प्रबंधक प्रांगण में आयोजित विशाल धरना प्रदर्शन एवं गेट मीटिंग में बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित हुए। कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने **WCRMS** के ओजस्वी महामंत्री अशोक शर्मा भी धरना स्थल पर पहुँचे। मण्डल सचिव डीपी अग्रवाल एवं मण्डल अध्यक्ष एसएन शुक्ला ने कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर प्रत्येक स्तर पर संघर्ष करते रहने की बात कही। सतीश कुमार ने **UPS/NPS** की खामियों को बताने का काम किया।

मप्र हाईकोर्ट ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण संबंधी किसी मामले की सुनवाई न करे

सुप्रीम कोर्ट द्वारा विवादित मुद्दे के निराकरण तक इस संबंध में कोई याचिका स्वीकार न करने के निर्देश

जबलपुर। ओबीसी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को महत्वपूर्ण निर्देश दिया है।सुको ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े किसी भी मामले में सुनवाई न करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि जब तक इस विवादित मुद्दे का सुप्रीम कोर्ट द्वारा निराकरण नहीं कर दिया जाता, तब तक हाई कोर्ट कोई इस संबंध में कोई याचिका स्वीकार नहीं करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि प्रकरणों में विवादित मुद्दे को शीघ्रता से निराकृत किया जाएगा। इस बीच मप्र शासन कानून के अनुसार विज्ञापन जारी करके भर्तियां करने के लिए स्वतंत्र है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।दरअसल, मप्र शासन ने 2023 से 2025 तक लगभग एक सैकड़ा याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर की हैं। अधिकतर याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाई कोर्ट में की जा रही सुनवाई पर रोक लगा दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अपाक्स संघ की याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। उन्होंने दलील दी कि मप्र में सरकार 87 : 13 प्रतिशत के फार्मूले पर नियुक्ति दे रही है। इन मामलों में पारित अंतरिम आदेशों की महाधिवक्ता द्वारा गलत व्याख्या करके त्रुटिपूर्ण अभिमत जारी किया गया है। इस कारण हजारों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। वहीं मप्र सरकार की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मप्र हाईकोर्ट आरक्षण के मामलो में निरंतर सुनवाई कर रहा है। इस कारण सुप्रीम कोर्ट में लंबित ट्रांसफर प्रकरण प्रभावित हो रहे हैं।

'कॉलेज चलो अभियान': विद्यार्थियों ने किया शहर के महाकोशल कालेज का भ्रमण

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज, जबलपुर में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय, दमोह के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण किया गया।

प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि 'कॉलेज चलो अभियान' 2025-26 के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय, दमोह के ऐसे विद्यार्थी जिन्होनें ग्यारहवीं की परीक्षा देकर बारहवीं में प्रवेश हेतु तैयार है। ऐसे 28 विद्यार्थी दिनेश कुमार एवं श्रीमती आंकाक्षा सुयल के साथ महाविद्यालय में शैक्षणिक भ्रमण हेतु उपस्थित रहें।

इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने कक्षाओं के साथ महाविद्यालय की कम्प्यूटर लैब, वाणिज्य विभाग, ओशो चेयर, ग्रंथालय, आउटडोर-इन्डोर स्टेडियम, कॅरियर

काउंसलिंग प्रकोष्ठ के साथ ही विद्या भवन का भ्रमण किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह सीईओ, डॉ. आर.के.गुप्ता, डॉ. विभा निगम के साथ प्रो. अरुण शुक्ल ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर डॉ. तृप्ति उकास, डॉ. संघप्रिया तिवारी,डॉ. बिजेन्द्र विश्वकर्मा, डॉ. नीलिमा, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. तरूणेन्द्र साकेत उपस्थित रहें।

हाई कोर्ट ने पांचवीं अर्जी पर दे दिया जमानत का लाभ

गुण-दोष के आधार पर जमानत निरस्त होने पर भी राहत संभव

जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि गुण-दोष के आधार पर जमानत अर्जी निरस्त होने पर भी नवीन तथ्यों के प्रकाश में राहत संभव है।जस्टिस विवेक जैन व जस्टिस आशीष श्रोती की डिवीजन बेंच ने इसी आधार पर आवेदक बैतूल निवासी रिंकू की पांचवीं अर्जी स्वीकार करते हुए जमानत का लाभ दे दिया। वह हत्याकांड में सेशन कोर्ट से उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद से विगत आठ वर्ष से जेल में बंद था।

आवेदक की ओर से अधिवक्ता सुशील कुमार तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आवेदक पर भीम नामक युवक की हत्या के प्रकरण में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। अभियोजन के अनुसार आवेदक सहित अन्य युवकों ने भीम पर फायर किया था। घटना में गोली लगने से भीम की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में कुल सात आरोपितों में से पांच दोषमुक्त कर दिए गए थे, जबकि आवेदक और विनोद उर्फ जान नामक आरोपित को उम्रकैद की सजा सुना दी गई। मुख्य अभियुक्त होने के बावजूद पूर्व में विनोद को जमानत

मिल गई थी। जबकि आवेदक के सह अभियुक्त होने के बावजूद गुण-दोष के आधार पर जमानत अर्जी निरस्त की जा चुकी है। हालांकि पूर्व में वह अंतरिम जमानत का लाभ पाने के बाद समय पर हाजिर हो चुका है। इसके अलावा मामले में कुछ नए तथ्य रेखांकित हुए हैं। मसलन, यह सिद्ध नहीं हुआ था कि भीम की मृत्यु जिस बंदूक की गोली लगने से हुई, उसे आवेदक रिंकू ने ही फायर किया था। इस सिलसिले में कोई जब्ती आदि भी नहीं हुई है। कोर्ट ने इन तर्कों के आधार पर जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

बेलखेड़ा में स्कूली बच्ची से दुष्कर्म के मामले में पहचान उजागर करने का आरोप

हाईकोर्ट ने डीजीपी, कलेक्टर, एसपी, बेलखेड़ा टीआई व डीईओ घनश्याम सोनी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

दुष्कर्म पीड़िता की पहचान उजागर करने के मामले में हाईकोर्ट ने गम्भीरता दर्शाई। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने डीयरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, पुलिस अधीक्षक, बेलखेड़ा टीआई और डीईओ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा ।शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने याचिका दायर कर बताया कि विगत दिवस बेलखेड़ा थानांतर्गत मासूम बच्ची से उसी के शिक्षक द्वारा दुष्कर्म किया था। डीईओ ने नाबालिग पीड़िता की पहचान सार्वजनिक कर दी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अशोक कुमार गुप्ता ने दलील दी कि भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 72(1), POCSO अधिनियम की धारा 33(7), और किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 74 के तहत किसी भी दुष्कर्म पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती। याचिका में मांग की गई कि बेलखेड़ा थाने के टीआई और डीईओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। यह मांग भी की गई कि डीजीपी को यह निर्देश दिए जाएं।

खबर संक्षेप

अन्य प्रदेशों की तरह मध्यप्रदेशवासियों को पेट्रोल मिले 95.06 रुपए प्रति लीटर

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने आज मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को पत्र लिखा कि मध्यप्रदेश में पेट्रोल का रेट 107.37 प्रति लीटर है और अन्य राज्य उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पंजाब में 95.06 रुपए प्रति लीटर, सभी प्रदेशवासियों को अन्य राज्यों की तरह सस्ता पेट्रोल दिया जाए। उक्त पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में डॉ. अजय वाधवानी (अध्यक्ष), एड. भावना निगम, डॉ. अभिषेक जैन, एड. आशीष त्रिपाठी, एड. रोशन मंध्यानी, एड. अंकित मिश्रा, डॉ. आशीष डेंगरा, डॉ. प्रशांत जैन, एड. आशुतोष चतुर्वेदी, एड. साक्षी भारद्वाज, एड. विवेक शुक्ला, कमरूल इस्लाम ख़ान द्वारा भेजा गया।

माँ कर्मा देवी की 1009वीं जयंती 25 मार्च को मनाई जाएगी

जबलपुर। श्री माँ कर्मा साहू युवा संस्था ने बताया कि साहू समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी की 1009वीं जयंती 35वें वर्ष 25 मार्च को शाम 06 बजे से मानस भवन राइट टाउन स्टेडियम के पास हर्षोल्लास से मनाई जाएगी। इस संबंध में संस्था कार्यालय गंजीपुरा चौक में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें माँ कर्मा जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में संस्था अध्यक्ष दीपक साहू, अनिल साहू, रमेश साहू, सुनील साहू, लखनलाल साहू, योगेन्द्र साहू, सतीश साहू, राजकुमार साहू, धीरज साहू, गगन साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष दीपक साहू ने साहू समाज के समस्त सदस्यों से उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने का आग्रह किया है।

वाल्मीकि समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 23 को

जबलपुर। वाल्मीकि समाज जबलपुर के तत्वावधान में युवक-युवती परिचय सम्मेलन 23 मार्च को संस्कृति थियेटर भंवरताल गार्डन में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रदेश भर से युवक-युवतियां शामिल होंगे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में समाज के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, वरिष्ठ समाजसेवियों का अभिनंदन तथा विविध सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सम्मेलन के उपरांत शीघ्र ही समाज के हित में एक निःशुल्क सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने का आग्रह वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष रूपकिशोर चौहान, दिनेश मछंदर, राजेन्द्र पथरौल सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी बलराम वाल्मीकि, गोविंद कुमार डागौर, धर्मदास बघेल, राजेश मट्टू, शंभू कछवाहा, जीत मेहरोलिया, अमित सुलेमान, देवकरण चंदेल, किशोर मेहरोलिया, दुर्गेश गुहेरा आदि ने किया है।

शीतला अष्टमी का पर्व आज

बासे पकवानों का लगेगा भोग

जबलपुर।

शीतलाअष्टमी पर्व आज मनाया जाएगा। इसके पूर्व शीतला सप्तमी का पूजन किया गया। भक्तों ने शीतलामाई को मीठे चावल के नैवेद्य अर्पित किए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माता शीतला की पूजा का विधान है। इसे शीतला सप्तमी और बसौरा अष्टमी भी कहा जाता है। बसौरा शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्यौहार है। ये पर्व होली के आठवें दिन मनाया जाता है।

मान्यता के अनुसार इस दिन पूजा के समय माता शीतला को पर मीठे चावलों का भोग लगाया जाता है। ये चावल गुड़ या गन्ने के रस से बनाए जाते हैं। खासतौर पर इस दिन माँ शीतला को बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है खुद भी बासा और ठंडा भोजन किया जाता है। इस दिन पूरे विधिविधान के साथ पूजा करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख शांति बनी रहती है। इस के साथ ही आज शीतला अष्टमी 22 मार्च को भी बसौरा की पूजा विधि की धूम रहेगी। शीतला सप्तमी, अष्टमी की पूजा के दिन जो बातें शास्त्र वर्णित है उसके अनुसार साधक सुबह स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें। पूजा के दौरान हाथ में फूल, अक्षत, जल और दक्षिणा लेकर व्रत का संकल्प लें। माता को रोली, फूल, वस्त्र, धूप, दीप, दक्षिणा और बासा भोग अर्पित करे। शीतला माता को दही, रबड़ी, चावल आदि चीजों का भी भोग लगाएं, तत्पश्चात पूजा के समय शीतला स्त्रोत का पाठ करें और पूजा के बाद आरती जरुर करें। पूजा करने क बाद माता को भोग खाकर व्रत खोलें।

हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी हेतु बैठक 23 एवं 24 को

सिहोरा। हिन्दू उत्सव समिति सिहोरा खितौला के तत्वावधान में हर वर्ष हनुमान जन्मोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है इस वर्ष यह आयोजन 12 अप्रैल को होना है। कार्यक्रम की भव्यता को इस वर्ष भी निरंतर रखने के लिए एक वृहद बैठक सिहोरा एवं खितौला में आयोजित की गई है । तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक खितौला में 22 मार्च शनिवार को राधा कृष्ण मंदिर खितौला बाजार में शाम 8 बजे एवं सिहोरा 23 मार्च रविवार शाम 8 बजे शक्ति संस्थान प्रांगण आर एस एस कार्यालय के सामने आयोजित की गई है। सभी हनुमान भक्तों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में दोनों बैठकों में शामिल होने की अपील की गई है।

संभागायुक्त को 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। महाकौशल जन प्रतिनिधि विचार मंच के तत्वावधान में शहर की एनईएस (न्यू एजुकेशन सोसायटी) में हो रही मनमानी, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार की जाँच हेतु संभागायुक्त अभय वर्मा के नाम 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया गया, जिसमें प्रमुख रूप से संस्था की जमीनों को बेचने की मांग, एन.ई.एस. स्कूल एवं कॉलेज में छात्रों की संख्या में लगातार कमी, संस्था के पदाधिकारियों की आपसी साठगांठ करके संस्था के पदाधिकारियों को ही संस्था की स्कूल बिल्डिंग के निर्माण का ठेका देने की मांग, एन.ई.एस. स्कूल एवं कॉलेज से सेवानिवृत्त कर्मचारियों का फंड एवं एरियर्स की राशि को रोककर प्रताड़ित करने जाँच की मांग, एन.ई.एस. सोसायटी में केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए सूचना के अधिकार (आर.टी.आई.) का खुलेआम उल्लंघन हो रहा उसकी जाँच की जाए, एन.ई.एस. साईंस कॉलेज के प्रांगण में निवासरत रहवासियों को कंजरवेंसी बंद करके परेशान करने की जाँच की माँग को लेकर संभागायुक्त अभय वर्मा के कार्यालय अधीक्षक क्लैमेंट मार्टिन को ज्ञापन प्रेषित कर चर्चा की गई और उनसे मांग की गई कि शीघ्र अतिशीघ्र शासन द्वारा कमेटी गठित कर एन.ई.एस. (न्यू एजुकेशन सोसायटी) में हो रहे भ्रष्टाचार एवं आम जनता के गाढ़ी कमाई के पैसों की जो होली एन.ई.एस. द्वारा खेली जा रही है उस पर विराम लगाया जाये। इस अवसर पर महाकौशल जनप्रतिनिधि विचार मंच जबलपुर के विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, दलवीर सिंह जस्सल, रूपलाल यादव, दीपक सिंह राजपूत, संजय वर्मा, कृष्णा गुप्ता, अंकित द्विवेदी, पिंकी ठाकुर, अशोक कुमार सेठी एवं अशोक प्रजापति सहित संस्था से जुड़े अनेक सामाजिक जागरूक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। विश्व जल दिवस के अवसर पर जबलपुर जिले की कुंडम ब्लाक में टिकारिया गाँव में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से लोक कल्याण भूमिका समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान समुदाय के सदस्यों को जल संरक्षण के महत्व और इस कृषि एवं आजीविका पर प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। यह पहल एसबीआई ग्राम सक्षम कार्यक्रम का हिस्सा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों वाटरशेड विकास और सतत जल प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक संजय प्रकाश के मार्गदर्शन में ग्राम सक्षम पहल ने क्षेत्र में जल सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कर्मचारियों की लंबित मांगों के निराकरण हेतु सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि आज कर्मचरियों की लम्बे समय से पड़ी लम्बित मांगों के निराकरण हेतु कमिश्नर कार्यालय जबलपुर संभाग जबलपुर में पदस्थ अरविंद यादव संयुक्त आयुक्त विकास को मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन भोपाल के नाम कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यतः नवनियुक्त कर्मचारियों की 70, 80, 90 प्रतिशत वेतन के स्थान पर नियुक्ति दिनांक से पूर्ण वेतन देने हेतु, मंत्रालय की भांति लिपिकों को समयमान वेतनमान का लाभ, समस्त विभागों के स्टेनोग्राफरों का वेतनमान एक समान कर 3600 ग्रेड पे (लेवल-9) के आधार पर किये जाने, गृह भाड़ा भत्ता सातवें वेतनमान के अनुसार दिए जाने, शिक्षकों को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, सहायक शिक्षकों को चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ दिये जाने, एन.सी. सी. कार्यालय में पदस्थ लिपिकों को समयमान वेतनमान में लेखा प्रशिक्षण उत्तीर्ण करने की बाध्यता समाप्त किए जाने इत्यादि प्रमुख मांगों को शीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु संगठन के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रावर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, हेमन्त ठाकरे, शहीर मुमताज, दिनेश गौंड़, राकेश श्रीवास, आदि ने ज्ञापन सौंपकर मांग की है।

अग्रवाल सभा के त्रिवार्षिक चुनाव का जनसंपर्क प्रारंभ

जबलपुर। जबलपुर अग्रवाल सभा के त्रिवार्षिक चुनाव होने जा रहे हैं जिसमें दो टीम घोषित हुई हैं इसमें से एक बाबा पैनल ने आज सदर, गोराबाजार, बरेला आदि में जनसंपर्क किया और सभी सदस्यों से आश्वासन मिला कि बब्बा जी पैनल को भारी मतों से जिताना है। गोराबाजार, सदर बाजार, बरेला, तिलहरी में बाबा जी पैनल सदस्यों ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बाबा जी पैनल के कैलाश चंद अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, सुंदरलाल अग्रवाल, गोराबाजार से शिव प्रसाद अग्रवाल, डॉ. राजेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, ब्रजेश अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, शालू अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, निशा अग्रवाल सहित समस्त अग्रवाल बंधु उपस्थित रहे।

जेसीसीसी में रंगारंग समारोह में नव प्रवेशित छात्रों का हुआ स्वागत

जबलपुर।

जबलपुर कॉलेज ऑफ कम्प्यूटर्स एण्ड कम्युनिकेशन के बीकॉम, बीबीए, बीसीए एवं एम कॉम के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए रंगारंग स्वागत समारोह होटल समदड़िया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में सरस्वती पूजन किया गया, तत्पश्चात द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने तिलक लगाकर नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की चेयर पर्सन अर्पणा शुक्ला, महाविद्यालय के डायरेक्टर्स बम्लेश्वर राव ने अपने उद्बोधन में छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सदैव सच्चाई व ईमानदारी के रास्ते पर चलकर अपने परिवार व महाविद्यालय का नाम रोशन करने की बात कही। कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक प्रभारी आयुषी गौतम के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्टाफ पूनम श्रीवास, वर्षा झारिया, हर्षित सक्सेना, साक्षी विश्वकर्मा, सोमेश अग्रवाल, स्नेहलता, चिलमाई, महेन्द्र कुशवाहा, पल्लवी, नेहा आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर मिस फ्रेशर तनु शर्मा को तथा मिस्टर फ्रेशर अमित साकेत को चुना गया। बेस्ट लुक मेल शिवांशु दीक्षित तथा फीमेल रिया मेहरा रहे। पलक, स्नेहा, कुमकुम, हिमांशी, प्रियंका, अमित, शीमोन, पवन, मिताली, पुष्पराज, कृष्णा, अलिशा, गगन, रुक्मणी की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को आकर्षित बनाया।

मुस्लिम विकास परिषद ने कराया तीसरा रोज़ा अफ्तार

जबलपुर। मुस्लिम धर्मावलंबियो के पवित्र माह रमजान के चलते मप्र मुस्लिम विकास परिषद की जबलपुर यूनिट द्वारा मदार टेकरी दारूल उलूम स्थित काजिया कॉन्वेंट स्कूल में तीसरा रोजा अफ्तार का आयोजन किया गया। चौथा रोजा अफ्तार शीर्घ ही आयोजित किया जायेगा। परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी के संयोजन में तथा किड्स फाउंडेशन के रियाज राइन, शायर शेख निजामी, पत्रकार अशफाक आरिफ़, समाजसेवी इस्तियाक अंसारी, फैजान क़ुरैशी, इरफान कुरैशी, जावेद मिर्जा, गुलाम साबरी, डॉ. निसार अंसारी की अतिथि में आयोजित तीसरे अफ्तार में रोजेदारों ने सामुहिक रूप से अफ्तार कर मगरिब की नमाज अदा की और देश में अमन शांति, खुशहाली और तरक्की की दुआएं की। रोजा अफ्तार में मुस्लिम विकास परिषद के जावेद राइन, शाहिद कुरैशी, तारिक कुरैशी, जिया उल हक अंसारी, इकबाल चांद खां, अशरफ कुरैशी, मेहताब अली, लियाकत जावेद, खालिद कुरैशी, मुज्जफर कुरैशी, साजिद काजी, गुलाम किबरिया, अलीम मंसूरी, एड. निसार अंसारी, अहमद रजा, इस्लाम अली, नोशाद खलीफा, ताहिर खोकर, हाशिम राजा, अब्दुल बाकी खान, अशरफ शिराजी, मुख्तार अंसारी, मुजीब अंसारी, मुनीर अंसारी, निसार मंसूरी, सोहेल खान, असीम राजा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मंडला जिला अक्टूबर 2024 से लगातार पहले स्थान पर

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के सभी जिलों को सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग में A ग्रेड

जबलपुर।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ग्रेडिंग एवं रैंकिंग फरवरी-2025 में कंपनी के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों को A ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। यह सफलता कंपनी की उत्कृष्ट सेवा, तत्परता और उपभोक्ताओं की समस्याओं के शीघ्र समाधान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विशेष रूप से मंडला जिला अक्टूबर 2024 से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान बनाए हुए है, जो कंपनी की गुणवत्ता और जनसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पूरी टीम को पूर्व क्षेत्र कंपनी के प्रबंध संचालक द्वारा बधाई दी गई।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार लाने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निवारण करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। यह सफलता मध्य प्रदेश सरकार के प्रयासों और विद्युत सेवाओं के निरंतर सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है। इस उपलब्धि से प्रदेशवासियों को और भी बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प को मजबूती मिली है। कंपनी उपभोक्ताओं को सुविधाजनक सेवाएं देने और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

शक्तिपुत्र महाराज के आगमन पर शिष्यों ने की पुष्प वर्षा

सिहोरा। धर्मरक्षा राष्ट्ररक्षा एंव मानवता की सेवा के लिए विश्वव्यापी अभियान चलाने वाले भगवती मानव कल्याण संगठन एंव पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम मऊ के संचालक परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र महाराज का सड़क मार्ग से सिहोरा आगमन हुआ जहां भक्तों ने भव्य आगवानी कर उनका स्वागत किया।

पुराने बस स्टेंड में आयोजन- ग्राम पंचायत खुड़ावल,लालपुरा,गौरहा,मझौली, टिकरिया, गुरजी, घुटना, अतरिया कला, सिहोरा, खितौला, खलरी, महगवां, मझगंवा, घाट सिमरिया, खागामऊ सहित अनेक ग्रामों से बड़ी संख्या में पहुंचे गुरुदेव के अनुयायियों ने पुराने बस स्टेंड में सड़क किनारे फूल बिछाकर आगवानी की। आगमन पर सभी ने जमकर नारेबाजी की तथा पुष्प वर्षा के साथ गुरुजी का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

संत अनिरुद्धाचार्य के साथ बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडे ने किया यज्ञ स्थल का निरीक्षण

रिंवझा में होगा लक्ष्मी नारायण महायज्ञ

सिहोरा। भारत के महान कथावाचक संत अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के सानिध्य में आगामी मई माह में उनके ग्रह ग्राम रिंवझा में होने वाले श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं भागवत कथा के स्थल चयन हेतु निरीक्षण करने पहुंचे महाराज जी ने बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे,पाटन विधायक अजय विश्नोई,दिनेश चौरसिया सहित अनेक शिष्यों के साथ यज्ञ स्थल का निरीक्षण किया तथा शिष्यों से यज्ञ की तैयारी प्रारंभ करने को कहा।

ग्रामवासियों ने किया स्वागत

विदित हो महाराज जी बृंदावन में मानव कल्याण हेतु कथा के साथ अनेक कार्यक्रम लगातार आयोजित कर रहे हैं इसलिए अपनी भागवत कथा से समय निकालकर उनका अपने ग्रह ग्रांम रिंवझा में आगमन हुआ था। काफी समय के बाद गांव पहुंचने पर महाराज जी का सभी ग्रामवासियों शिष्यों ने भव्य आत्मीय स्वागत किया।

रिंवझा में पहली बार आयोजित होगा यज्ञ

महाराज जी ने जानकारी देते हुए बताया कि रिंवझा हमारी जन्मस्थली है और यहां लगभग 60 वर्षों में कभी यज्ञ का कोई आयोजन नही हुआ इसलिए उनकी भी जन्मभूमि में एक यज्ञ कराने की इच्छा थी परन्तु संयोग नही बन पा रहे थे। गत माह बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे जब हमारे गौरी गोपाल आश्रम पहुंचे तो उन्होंने सिहोरा में यज्ञ करने का आग्रह किया जिसके फलस्वरूप इस आयोजन का निश्चय हो गया।

यज्ञ में दक्षिण भारत से पहुचेंगे यज्ञाचार्य

संत अनिरुद्धाचार्य ने बताया इस धार्मिक अनुष्ठान में दक्षिण भारत के प्रसिद्ध यज्ञाचार्यों द्वारा आहुतियां दी जाएगी तथा श्रद्धालुओं के लिए पंडाल, भोजन, पार्किंग, विद्युत प्रकाश आदि व्यवस्थाओं पर भी शिष्यों से चर्चा की इस अवसर पर नीलू बाजपेई,अमित दीक्षित सहित अनेक शिष्य एंव ग्रामवासी उपस्थित थे।

निधन

श्रीमति नीलेश सक्सेना- दत्त मंदिर के पीछे गोलबाजार निवासी स्व. श्री विशन स्वरुप सक्सेना की पत्नी श्रीमति नीलेश सक्सेना का निधन हो गया है। आप प्रफुल्ल, प्रभात, राहुल सक्सेना की मां थी। उनकी अंतिम यात्रा आज 22 मार्च शनिवार को प्रातः 10 बजे गौरीघाट जाएगी।

श्री रीतेश साहू- मांडवा बस्ती रामपुर निवासी श्री बुद्धू लाल साहू के पुत्र श्री रीतेश साहू (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिलीप विश्वकर्मा- बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री दिलीप विश्वकर्मा (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती माधवी सोनी- पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री किशोरी लाल सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती माधवी सोनी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश चौधरी- तुलसीदास का बगीचा दमोहनाका निवासी श्री रामनाथ चौधरी के पुत्र श्री राजेश चौधरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री नंदन कुमार- नया मोहल्ला मढ़ाताल निवासी श्री नंदन कुमार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बल्देव राय- कटंगा टीवी टावर के पास केंट निवासी श्री बल्देव राय (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राम बाई केसरवानी- रामनगर रामपुर निवासी श्री राम सेवक केसरवानी की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई केसरवानी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय यादव- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री कैलाश यादव के पुत्र श्री अजय यादव (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सुरेश कुमार चौबे- बजरंग नगर करमेता निवासी श्री सुरेश कुमार चौबे (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जयलक्ष्मी मलिक- सदर निवासी श्री जग्गू मलिक की धर्मपत्नी श्रीमती जयलक्ष्मी मलिक (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री श्याम लाल शर्मा- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री श्याम लाल शर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल गुप्ता- रांझी गणेशगंज निवासी श्री प्रेम लाल गुप्ता (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज ५०/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362100

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की 'किंगडम'

मुंबई। विजय देवरकोंडा अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म 'किंगडम' 30 मई को रिलीज होगी। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि 'किंगडम' को दो भागों में बनाया जाएगा, लेकिन अब फिल्म के निर्माता नामा वामसी ने आखिरकार इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। नागा वामसी ने रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा, 'हमने कहानी को केवल दो-भाग की फ्रेंचाइजी बनाने के लिए नहीं बढ़ाया। फिल्म में दो भागों में रिलीज होने की गुंजाइश और पैमाना है।' उन्होंने आगे कहा कि किंगडम स्क्रीनप्ले, लॉजिक, भव्यता और एक्शन के मामले में सभी कसौटियों पर खरा उतरता है।

लाइफ Style

तमन्ना

ब्रेकअप की अफवाहों के बीच खुद को किया मोटिवेट

इन दिनों तमन्ना भाटिया अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने ब्रेकअप की अफवाह को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि उनका और अभिनेता विजय वर्मा का ब्रेकअप हो चुका है। अब तक अभिनेत्री ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। लेकिन हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में वह खुद को ही मोटिवेट करती नजर आईं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा काफी समय से डेट कर रहे थे, इनकी शादी करने की खबर भी बीच में सुनने को मिली। फिर अचानक इनके ब्रेकअप की अफवाह और खबरें सामने आने लगीं। अब तक इस मुद्दे पर अभिनेत्री ने खुलकर कुछ नहीं कहा है, लेकि,न वह इशारों-इशारों में काफी कुछ कह रही हैं। इसके लिए सोशल मीडिया पोस्ट का भी सहारा लेती हैं। हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना ने एक पोस्ट साझा की, इसमें वह काफी मोटिवेशनल बात करती दिखीं। एक अवॉर्ड फंक्शन में शामिल होने के लिए तमन्ना ने सफेद रंग की एक खूबसूरत ड्रेस पहनी। इस ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन फोटो के साथ अभिनेत्री ने संदेश लिखा- 'यह रंग मुझे याद दिलाता है कि आकाश की कोई सीमा नहीं है।'

इस मैसेज के जरिए वह खुद को शायद मोटिवेट कर रही हैं। अपने ब्रेकअप की अफवाह के बीच ही तमन्ना ने होली का त्योहार भी मनाया, साथ ही अपने दोस्तों संग पार्टी भी की। पिछले दिनों होली पर भी तमन्ना भाटिया रवीना टंडन के घर पहुंचीं। इसके अलावा वह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी के साथ पार्टी करती भी दिखीं। तमन्ना भाटिया इस साल कुछ फिल्मों में भी नजर

हॉलीवुड मसाला

नताशा की नहीं होगी वापसी

लॉस एंजिल्स। स्कारलेट जोहानसन और मार्वल के फैंस के दिलों में ब्लैक विडो आज भी बसती है। यही कारण है कि जहां मल्टीवर्स के कारण पुराने किरदार लौट रहे हैं। एजेंट नताशा रोमनॉफ की वापसी की भी खूब चर्चा रही है। अब खुद स्कारलेट जोहानसन ने इस पर चुप्पी तोड़ी दी है। 40 साल की स्कारलेट जोहानसन ने एक इंटरव्यू में कहा, 'नताशा मर चुकी है। हां, वो मर चुकी है। ठीक है?' एक्ट्रेस ने साफ शब्दों में कहा है वह फैंस से यही कहना चाहेंगी कि अब नताशा की वापसी नहीं होगी।

आठ साल बाद पति से अलग हो रहीं ली सी यंग

लॉस एंजिल्स। साउथ कोरियन एक्ट्रेस ली सी यंग ने कथित तौर पर अपने आठ साल लंबे वैवाहिक जीवन के बाद पति से तलाक लेने के लिए अर्जी दी है। के-मीडिया समाचार आउटलेट वाईटीएन के मुताबिक 'स्वीट होम' के-ड्रामा स्टार और उनके पति मिस्टर जो, जो कि एक रेस्तरां के मालिक हैं। दोनों ने इस साल की शुरुआत में सियोल फैमिली कोर्ट में तलाक की कार्यवाही के लिए दस्तावेज जमा किए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया अब अंतिम रूप ले रही हैं, क्योंकि माना जाता है कि तलाक की मुख्य शर्तों पर सहमति बन गई है। 42 वर्षीय अभिनेत्री ने साल 2017 में मिस्टर जो से शादी की। नौ साल की उम्र के अंतर वाले इस जोड़े ने अपनी शादी के अगले साल एक बेटे को जन्म दिया। कोरियाई अभिनेत्री की तलाक के बारे में 'एस फैक्ट्री' ने भी दोनों के तलाक की पुष्टि की।

बॉयफ्रेंड पर खुलेआम प्यार लुटाते दिखीं

मुंबई। श्रद्धा कपूर कुछ दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। ऐसी खबर आ रही है कि वह राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ में स्पॉट भी हुए हैं। यहां तक कि श्रद्धा सोशल मीडिया पर भी राहुल के साथ फोटोज शेयर करती हैं। अब एक्ट्रेस की राहुल के साथ एक क्लिप वायरल हो रही है जिसमें दोनों के बीच रोमांटिक मोमेंट नजर आ रहे हैं। दरअसल, एक क्लिप सामने आया है जिसमें श्रद्धा और राहुल गाड़ी की तरफ जाते हैं और उसके बाद एक-दूसरे को बाय बोलते हुए हग करते हैं। दोनों के इस रोमांटिक मोमेंट को देख फैंस दोनों को लेकर प्यारे कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, फैंस तो इसकी उम्मीद भी कर रहे हैं कि दोनों शायद जल्द शादी करने वाले हैं। एक ने कमेंट किया राहुल की आरोही। एक ने लिखा, स्त्री और पुरुष। एक ने लिखा लगता है जल्द शादी करने वाले हैं।

'किक' के सीक्वल को लेकर हैं उत्साहित

मुंबई। जैकलिन फर्नांडीस साल 2014 में आई फिल्म 'किक' के दूसरे पार्ट का हिस्सा बनने की उम्मीद जताई है। उनके मुताबिक फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। यह फिल्म साल 2009 में आई तेलुगु फिल्म 'किक' की रीमेक थी। फिल्म में सलमान खान, जैकलिन फर्नांडीस के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रणदीप हुड्डा भी थे। जैकलिन ने कहा 'मैं इस फ्रेंचाइज को लेकर बहुत उत्साहित हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर साजिद नाडियाडवाला या सलमान खान इसकी तस्दीक करें तो ज्यादा अच्छा होगा। मैं उम्मीद करती हूं कि ये फिल्म जल्दी बने, क्योंकि 'किक' को लोगों से खूब प्यार मिला था। इस फिल्म ने मेरी जिंदगी बदल दी थी।' जैकलिन ने 'मर्डर 2', 'रेस 3' और 'ढिशूम' जैसी फिल्मों में काम किया है। साल 2025 में उनकी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

टीवी मसाला

'अनुपमा' की जगह बरकरार तारक मेहता ने मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों से रुपाली गांगुली वाला सीरियल 'अनुपमा' पहले स्थान पर बना हुआ है। इस बार की टीआरपी लिस्ट में भी यह पहले ही स्थान पर है। इसने अपनी जगह को बरकरार रखा है। इस हफ्ते सीरियल 'अनुपमा'की टीआरपी 2.4 है। सीरियल में मनीष गोयल ने एक नए किरदार में एंट्री की है, जिससे कहानी में नए मोड़ आए हैं। इस कारण दर्शक सीरियल से जुड़े हुए हैं। कई सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा कॉमेडी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा'भी अच्छी टीआरपी हासिल करता था। लेकिन कुछ समय से इसकी टीआरपी कम हो रही थी। हाल ही में इस सीरियल ने एक लंबी छलांग लगाई है। इस बार की टीआरपी लिस्ट में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' दूसरे स्थान पर है, इसकी टीआरपी 2.3 है। सीरियल 'उड़ने की आशा' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' तीसरे और चौथे स्थान पर है। दोनों की टीआरपी लगभग 2.2 रही है। 'उड़ने की आशा' में लीड रोल में कंवर ढिल्लों और नेहा हरसोरा हैं। पांचवें और छठे स्थान पर 'झनक' और 'मंगल लक्ष्मी-लक्ष्मी का सफर' जैसे सीरियल हैं, इनकी टीआरपी रेटिंग 1.8 रही। दोनों की टीआरपी में बहुत कम ही अंतर है। वहीं सातवें और आठवें स्थान पर 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' और 'जादू तेरी नजर' जैसे सीरियल रहे हैं। इनकी टीआरपी भी लगभग 1.7 रही है। वहीं टॉप टेन में 'शिव शक्ति-तप त्याग तांडव' सीरियल ने भी जगह बनाई है, इसकी टीआरपी 1.3 रही है।

खतरों के खिलाड़ी 15 में बवाल काटने आ रहा है पारस छाबड़ा

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के फेमस स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' को लेकर इस वक्त काफी बज बना हुआ है। हर कोई बड़ी ही बेसब्री से इस शो के शुरू होने का इंतजार कर रहा है। 'खतरों के खिलाड़ी 15' में इस बार ज्यादातर नाम बिग बॉस से जुड़ी लोगों के सामने आ रहे हैं। बिग बॉस 18 के कई कंटेस्टेंट के नाम अब तक सामने आ चुके हैं। ऐसे में अब बिग बॉस ताजा खबर की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शेट्टी के शो के लिए बिग बॉस 13 के एक्स कंटेस्टेंट रहे पारस छाबड़ा को अप्रोच किया गया है। बिग बॉस के घर में पारस ने जमकर हंगामा काटा था। पारस छाबड़ा इन दिनों अपने पॉडकास्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। पॉडकास्ट के दौरान ही पारस ने इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें खतरों के खिलाड़ी के पिछले कई सीजन के लिए ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने करने से मना कर दिया था।

18 अप्रैल को रिलीज होगी 'केसरी चैप्टर 2'

मुंबई। अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'केसरी' ने शुक्रवार 21 मार्च को छह साल का सफर पूरा कर लिया। यह फिल्म साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और हिट रही। अब इसका सीक्वल भी आ रहा है। 'केसरी' की रिलीज पर मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीक्वल 'केसरी चैप्टर 2' की झलक शेयर की है। फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' में अक्षय कुमार के अलावा आर. माधवन भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा अनन्या पांडे भी फिल्म का हिस्सा हैं। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म अप्रैल में दस्तक देगी। यूं तो फिल्म को मार्च में होली के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन मेकर्स ने रिलीज डेट बदल दी। अब यह 18 अप्रैल को रिलीज होगी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। भले ही फिल्म का नाम 'कैसरी चैप्टर 2' है, लेकिन 2019 की 'केसरी' की कहानी से इसका लेना-देना नहीं है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने वीडियो शेयर किया है, जो केसरी का है। इसके साथ लिखा है, 'नया युद्ध, लेकिन जोश और आग वही'। उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'फिल्म 'केसरी' के छह साल पूरे होने का जश्न। केसरी के जज्बे का जश्न और साथ ही नए चैप्टर का जश्न, जो जल्द शुरू हो रहा है। अक्षय कुमार के इस पोस्ट पर यूजर्स सीक्वल के प्रति उत्साह जता रहे हैं और लिख रहे हैं बेसब्री से फिल्म का इंतजार है। एक यूजर ने लिखा, 'अक्षय कुमार का दौर कभी खत्म नहीं होगा'। एक यूजर ने लिखा, 'ब्लॉकबस्टर लोडिंग'। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म 'केसरी' में अक्षय कुमार के साथ परिणीति चोपड़ा भी नजर आईं। करीब 100 करोड़ रुपए बजट में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 155.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया।

इन भारतीय फिल्मों में दिखाई गई अंतरिक्ष की झलक, लोगों को अच्छी लगी कहानी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर हाल ही में अंतरिक्ष से धरती पर वापस लौटे हैं। ये दोनों बीते साल जून में महज आठ दिनों के लिए अंतरिक्ष में गए थे लेकिन वह नौ महीने बाद धरती पर वापस आए। दरअसल, जो यान उन्हें धरती पर वापस लाने वाला था वह खराब हो गया था। ऐसे मौके पर हम आपको उन भारतीय फिल्मों के बारे में बता रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष के बारे में दिखाया गया है।

जीरो

यह फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा अहम किरदार में थे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। फिल्म में अनुष्का शर्मा ने एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक का किरदार निभाया है। फिल्म में अंतरिक्ष के बारे में दिखाया गया है।

मिशन मंगल

'मिशन मंगल' फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन और सोनाक्षी सिन्हा अहम किरदार में थे। फिल्म में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिकों की कहानी दिखाई गई है। इन लोगों ने मंगल मिशन में योगदान दिया था।

रॉकेट्री

'रॉकेट्री' फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई थी। फिल्म को आर. माधवन ने लिखा था और इसका निर्देशन किया था। यह फिल्म अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिक नांबी नारायण की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म में भी अतंरिक्ष की झलक दिखाई गई है।

कोई मिल गया

'कोई मिल गया' फिल्म साल 2003 में आई थी। इस फिल्म में ऋतिर रोशन और प्रीति जिंटा थीं। फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म में अंतरिक्ष से आए एलियन को दिखाया गया था। 'कृष', और 'कृष 3' इसी की अगली कड़ी हैं।

कार्गो

'कार्गो' फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में विक्रांत मेसी और श्वेता त्रिपाठी अहम किरदार में थे। फिल्म में अंतरिक्ष के बारे में दिखाया गया है। फिल्म में एक खास जहाज के बारे में दिखाया गया है। इसमें मरने के बाद दोबारा जिंदा होने की कहानी दिखाई गई है।

'जय संतोषी मां' से घर-घर में छाईं कनन कौशल

ब्लॉकबस्टर फिल्म देने पर भी फीका रहा कॅरियर

नई दिल्ली। अभिनेत्री कनन कौशल ने 21 मार्च को अपना 86वां जन्मदिन मनाई। कनन मुख्य रूप से मराठी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 1975 की बॉलीवुड हिट 'जय संतोषी मां' में सत्यवती व्यास की भूमिका के लिए पहचान हासिल की। अभिनेत्री का असली नाम इंदुमती पैगनकर है, जिन्हें बाद में कनन कौशल के नाम से जाना गया।

कई भाषा की फिल्मों में नजर आईं कनन

कनन कौशल का जन्म 21 मार्च, 1939 को बड़ौदा में इंदुमती शेठ के रूप में हुआ था। 'गोमांतक मराठा' समुदाय से आने वाली कनन ने अपना करियर मंच से शुरू किया और फिल्मों में आने से पहले थिएटर में बड़े पैमाने पर काम किया। कनन कई मराठी, गुजराती, भोजपुरी और हिंदी-मराठी फिल्मों में दिखाई देती थीं। अब उन्होंने सिनेमा से दूरी बना ली है।

कई दिग्गज सितारों के साथ किया काम

वह 1963 में फिल्म इंडस्ट्री में शामिल हुईं और बदतमीज (1966) जैसी फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं, जहां उन्होंने शम्मी कपूर की बहन, परदेसी (1970), घूंघट (1971), मेला (1971) और ये गुलिस्तान हमारा (1972) में भूमिका निभाई। उन्होंने संजीव कुमार के साथ जिगर अने अमी (1970), धरती ना छोरू (1970), गुणसुंदरी नो घर संसार (1972) और असरानी के निर्देशन में बनी अमदावद नो रिक्शावालो (1974) जैसी गुजराती फिल्में भी कीं, जो एक कल्ट फिल्म बन गई। उनकी कुछ प्रसिद्ध मराठी फिल्में हैं, जिनमें राजा शिव छत्रपति (1974), वराट (1975), पाहुनी (1976) और चंद्र होता साक्षीला (1978) शामिल हैं।

एक फिल्म से घर घर में छाईं कनन

1975 में एक छोटी सी फिल्म आई 'जय संतोषी मां', जो मामूली बजट की थी और अज्ञात कलाकारों वाली फिल्म थी। यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। इसमें मुख्य भूमिका निभाकर कनन घर-घर में मशहूर हो गईं और उन्हें इंडस्ट्री में भी खास पहचान मिली। हालांकि, इसके बावजूद उनका कॅरियर कुछ खास नहीं चमक पाया। दरअसल, कनन को उम्मीद थी कि 'जय संतोषी मां' की बड़ी सफलता के बाद उन्हें अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वह चरित्र भूमिकाओं और पौराणिक फिल्मों में काम करती रहीं। उनकी कुछ बेहतरीन फिल्मों में माया मच्छिन्द्रा (1975), बिदाई (1974), राम भरोसे (1977), जय द्वारकाधीश (1977), जय गणेश (1978), मान अपमान (1979), घर की लाज (1979), संत ज्ञानेश्वर (1983), भगवान दादा (1986), जाग उठा इंसान (1984), तूफान (1989), सनम आप की खातिर (1992) और जीवन दाता (1991) जैसी फिल्में शामिल हैं। कनन कौशल 1990 के दशक की शुरुआत तक इंडस्ट्री में सक्रिय रहीं, इसके बाद उन्होंने सिनेमा से दूरी बना ली।

इंडो-अमेरिकन फिल्म के लिए साथ आए मनोज-राणा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी साउथ सुपरस्टार राणा दग्गुबाती द्वारा निर्मित अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी की आने वाली अनाम फिल्म में नजर आएंगे। पिंजर (2003) की रिलीज के बाद मनोज बाजपेयी अभिनेता फ्रैंक लैंगेला के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म में अभिनय करने वाले थे, लेकिन यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हुआ। दो दशक से अधिक समय बाद मनोज बाजपेयी ने अपनी फिल्मोग्राफी में एक इंडो-अमेरिकन फिल्म को जोड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अब अमेरिकी फिल्म निर्माता बेन रेखी द्वारा निर्देशित एक अनाम हिंदी सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था। फिल्म का निर्माण राणा दग्गुबाती ने किया है, जो मनोज बाजपेयी के साथ उनका पहला सहयोग है। यह कथित तौर पर मनोज बाजपेयी की पहली इंडो-अमेरिकन फिल्म भी होगी। बेन रेखी इस अनाम नाटक की कहानी लिखी है। यह कहानी मनोज बाजपेयी द्वारा अभिनीत एक आम आदमी पर आधारित है, जिसकी पारिवारिक कठिनाइयां उसे एक उद्देश्य के लिए लड़ने के लिए मजबूर करती हैं।

समंदर की गहराइयों में मिले 'सुपरनोवा कब्रिस्तान' के सबूत

वॉशिंगटन। ब्रह्मांड के कई ऐसे रहस्य हैं जिनका राज-फाश होना अभी बाकी है। वैज्ञानिक सालों से इन रहस्यों की गुत्थी को सुलझाने में लगे हैं। हाल ही में एक रिसर्च में सामने आया है कि लगभग 1 करोड़ साल पहले पृथ्वी के पास महा विस्फोट हुआ था, जिसके सबूत समंदर के अंदर और चांद पर मौजूद हैं। समंदर में गहराइयों में शोधकर्ताओं ने रेडियोधर्मी प्लूटोनियम की एक अनूठी किस्म पाई है। जो किलोनोवा नामक ब्रह्मांडीय विस्फोट की एक दुर्लभ प्रजाति का मलबा प्रतीत होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह संभवत: लगभग 10 मिलियन साल यानी एक करोड़ साल पहले पृथ्वी के पास विस्फोटित हुआ था।

चांद पर भी है मौजूद! 1 करोड़ साल पहले की रहस्यमयी घटना

वैज्ञानिकों के हाथ लगी बड़ी सफलता

इलिनोइस अर्बाना शैंपेन विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री ब्रायन फील्ड्स ने 2025 अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी ग्लोबल फिजिक्स समिट में कहा कि हम एक सुपरनोवा कब्रिस्तान में रहते हैं। सुपरनोवा.. चट्टानों के छोटे-छोटे कण बनाते हैं जो सचमुच पृथ्वी पर बरस सकते हैं। वे समंदर की गहराई में जमा हो सकते हैं और चांद पर भी लटके मिल सकते हैं। बता दें कि फील्ड्स ने 1990 के दशक से ही इस ब्रह्मांडीय मलबे के बारे में सिद्धांत बनाए हैं। लेकिन, 2004 तक शोधकर्ताओं ने समंदर के नमूनों से सुपरनोवा के अवशेषों को छांटना शुरू नहीं किया था। उन्हें लोहे के रेडियोधर्मी संस्करण के निशान मिले जो पृथ्वी पर स्वाभाविक रूप से नहीं पाए जाते हैं।

क्यों बेहद खास है यह खोज

बाद के वर्षों में समंदर और चांद दोनों से लगभग एक दर्जन से अधिक नमूनों ने इस विस्फोटक इतिहास की अधिक विस्तृत तस्वीर पेश की। फील्ड्स और उनके सहयोगियों के अपडेटेड सिद्धांतों ने 3 मिलियन और 8 मिलियन साल पहले हुई दो अलग-अलग सुपरनोवा घटनाओं की ओर इशारा किया। 2021 में यह कहानी और भी दिलचस्प हो गई. जब शोधकर्ताओं ने उन्हीं नमूनों में एक और भी दुर्लभ पदार्थ की खोज की- प्लूटोनियम का एक रेडियोधर्मी। इस खोज के लिए एक ऐसी मूल कहानी की जरूरत थी जो सुपरनोवा को जन्म देने वाली हिंसक सितारों की मृत्यु से भी अधिक असामान्य हो।

सालों से चल रहा है शोध

शोधकर्ताओं ने जो प्लूटोनियम वैरिएंट पाया वह किलोनोवा से आया माना जाता है। विस्फोट जो दो बाइनरी न्यूट्रॉन सितारों के एक- दूसरे की ओर एक प्रलयंकारी टक्कर के कारण होता है। किलोनोवा हमारे ग्रह के कुछ दुर्लभ तत्वों जैसे सोना और प्लैटिनम के लिए भी जाना जाता है। खगोलविदों ने लंबे समय से इस तरह के विस्फोट को जानने की कोशिश की है। अब फील्ड्स और उनके सहयोगियों को संदेह है कि एक अलग किलोनोवा घटना उन दो पहले से पहचाने गए सुपरनोवा से पहले हुई थी.। जो कम से कम 10 मिलियन साल पहले हुई थी।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे महंगा कुत्ता, भारतीय ने 50 करोड़ में खरीदा, भेड़िए जैसी होती है ताकत

नई दिल्ली। जब भी वफादारी की बात होती है, तो सबसे पहले कुत्तों का नाम आता है। शायद ही कोई कुत्तों से अधिक वफादार हो। इंसान भी कुत्तों से प्यार और पसंद करता है। दुनियाभर में बहुत से ऐसे लोग हैं, जो हजारों और लाखों रुपए खर्च कर कुत्तों की विदेशी नस्लें मंगवाते हैं। सूझबूझ से लेकर शारीरिक क्षमता में कुत्तों का कोई जवाब नहीं है। लेकिन ,क्या आप जानते हैं कि कुत्तों में सबसे महंगा कुत्ता कौन सा है? दुनिया में एक कुत्ता है, जो भेड़िए की तरह ताकतवर और फुर्तीला है। यह दूसरे कुत्तों की तरह ही है। इस खास कुत्ते को वुल्फडॉग कहा जाता है। यह अपनी ताकत और चेहरे के कारण मशहूर है। साथ ही यह दुनिया का सबसे महंगा कुत्ता है। वुल्फडॉग की कीमत लाखों-करोड़ों में है। यह कुत्ता एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बार इसकी कीमत की वजह से लोगों के बीच चर्चा हो रही है। दरअसल, बेंगलुरु के ब्रीडर एस सतीश ने दुनिया के सबसे महंगे कुत्ते को खरीदा है। इस वुल्फडॉग की कीमत 50 करोड़ रुपए है। माना जा रहा है कि यह अभी तक का सबसे महंगा कुत्ता है। यह अपनी तरह का पहला कुत्ता है। यह जंगली भेड़िये और कोकेशियान शेफर्ड का मिक्स ब्रीड है।

आलू-टमाटर जैसे झोले में भरे बच्चे बाइक पर टांगकर निकला बाप

नई दिल्ली। कई बार ऐसा होता है कि हमें कहीं जाना होता है, लेकिन हमारे पास साधन पर्याप्त नहीं होते हैं। ऐसे में लोगों को एक ही वाहन में एडजस्ट करके बिठाया जाता है। अगर कार है, तो लोग किसी तरह घुसकर बैठ भी जाते हैं लेकिन अगर बाइक है, तो स्थिति अलग हो जाती है। एक ऐसी ही तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।आमतौर पर जब भी बच्चों को किसी भी वाहन पर बिठाकर ले जाते हैं, तो ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है। वायर वीडियो में नज़ारा कुछ अलग ही दिख रहा है। यहां पर जिस तरह से एक पिता ने अपनी सामान्य की बाइक पर 5 बच्चों को एडजस्ट किया हुआ है, वो बेहद खतरनाक है।

झोले में भरकर टांग लिए बच्चे : वायरल हो रहा वीडियो टर्की के अंदाना शहर का बताया जा रहा है। इसमें आप देख सकते हैं कि एक शख्स सिग्नल पर रुका हुआ है। वो आगे गाड़ी चला रहा है और पीछे उसके बच्चे बैठे हुए हैं। तीन बच्चे पर बाइक की सीट पर हैं, लेकिन दो बच्चे झोले में किसी सामान की तरह भरे हुए हैं जिन्हें बाइक के दोनों तरफ टांगा गया है। पीछे बैठी हुई लड़की इन झोलों को हाथ से पकड़े हुए है, ताकि वो गिरें नहीं। ये खतरनाक राइड देखकर किसी का भी दिल बैठ सकता है।

सप्ताह में बस 42 घंटे काम, सालाना 1.5 करोड़ सैलरी रहना-खाना सबकुछ फ्री, लेकिन एक छोटी सी शर्त

लंदन। दुनियाभर में कई खूबसूरत द्वीप हैं, जहां लोग छुट्टियां बिताने जाते हैं। इसके लिए वे लाखों रुपए खर्च करते हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे खूबसूरत आइलैंड के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको रहना-खाना सबकुछ मुफ्त मिलेगा। इसके अलावा अगर आप यहां पर गए तो रहने के बदले में 1.5 करोड़ रुपए भी मिलेगा। लेकिन, एक शर्त है, अगर आप इसमें फिट नहीं बैठते तो आपके लिए ये जगह नहीं है। अगर मामला जम गया तो वारे-न्यारे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उइस्ट और बेनबेकुला नाम का यह आइलैंड स्कॉटलैंड के पश्चिमी तट पर बसा हुआ है। अभी यहां सिर्फ 40 लोग रहते हैं। लेकिन, आने वाली गर्मियों में इस आइलैंड पर बहुत सारे टूरिस्ट पहुंचने की संभावना है। इसका ध्यान रखते हुए वहां के प्रशासन ने कुछ नौकरियां निकाली हैं, ताकि टूरिस्ट्स का विशेष ध्यान रखा जा सके।पहली पोस्ट एक जनरल प्रैक्टशियन यानी डॉक्टरों की है। लेकिन , उसके लिए जो सुविधाओं की बात कही गई है, वह वास्तव में काफी अलग और अनोखी हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी वायरल हो रही है।

डॉक्टर को मिलेगी 1 करोड़ सालाना सैलरी : वायरल हो रहे पोस्ट के मुताबिक, एनएचएस वेस्टर्न आइल्स की ओर जारी की गई भर्ती में कहा गया है कि डॉक्टर को 1 करोड़ सालाना सैलरी मिलेगी, जो ब्रिटेन के डॉक्टरों से लगभग 40 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा 8 लाख रुपए ट्रांसफर एलाउंस, 1.3 लाख रुपए वर्किंग एलाउंस और 11 लाख रुपए गोल्डन एलाउंस अलग से मिलेगा। इन तमाम खर्चों को जोड़ दिया जाए तो तकरीबन 1.5 करोड़ रुपए मिलेंगे। हफ्ते में सिर्फ 40 से 42 घंटे ही काम करना होगा। जो इस द्वीप पर काम करना चाहते हैं, उनकी ग्रामीण चिकित्सा में रुचि होनी चाहिए। इसके अलावा, आपके पास तटीय क्षेत्रों में काम करने का अनुभव भी जरूरी है।

डार्क एनर्जी के नए सच ने वैज्ञानिकों को चौंकाया! क्या ब्रह्मांड के अस्तित्व पर मंडरा रहा नया संकट?

वॉशिंगटन। सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष से धरती पर लौटने के बाद 'स्पेस साइंस' से जुड़े सवालों के जवाब लोगों को हैरान कर रहे हैं। स्पेस में हर क्षण कितना कुछ घट रहा है? आम आदमी की ये कल्पना से भी परे है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के लिए ये ब्रह्मांड आज भी बेहद कौतूहल का विषय है। इसके रहस्यों को सुलझाने के लिए साइंटिस्ट दिन-रात रिसर्च कर रहे हैं। अब एक नई रिसर्च में 'डार्क एनर्जी' के बारे में कई खुलासे हुए हैं। नई थ्योरी में ये अंदेशा जताया जा रहा कि डार्क एनर्जी समय से साथ कमजोर पड़ती जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो ब्रह्मांड के लिए ये एक बड़ा खतरा होगा।

डार्क एनर्जी क्या है?

सबसे पहले जान लीजिए कि आखिर ये डार्क एनर्जी है क्या? डार्क एनर्जी दरअसल एक अदृश्य शक्ति है, जो ब्रह्मांड को तेजी

से फैला रही है। यह न तो प्रकाश के साथ और न ही किसी पदार्थ के साथ प्रतिक्रिया करती है। वैज्ञानिक अभी तक यह नहीं समझ पाए हैं कि यह कैसे काम करती है या यह कहां से आती है। शिकागो यूनिवर्सिटी साइंटिस्ट जोशुआ फ्रीमैन का मानना है कि डार्क मैटर और डार्क एनर्जी के बीच 'ब्रह्मांडीय खींचतान' चल रही है। डार्क मैटर आकाशगंगाओं को एक साथ खींचता है, जबकि डार्क एनर्जी उन्हें धकेलती है, यानी दूर करती है। शुरुआती 9 अरब सालों तक डार्क मैटर हावी रहा, लेकिन बाद में डार्क एनर्जी ने ब्रह्मांड के विस्तार को तेज कर दिया।

वैज्ञानिकों के लिए ब्रह्मांड आज भी बेहद कौतूहल का विषय

डार्क एनर्जी का प्रभाव

वैज्ञानिकों का मानना है कि डार्क एनर्जी ही इस तेजी से होते विस्तार का कारण है। यह एक ऐसी शक्ति है जो आकाशगंगाओं को एक दूसरे से दूर धकेलती है। लेकिन, वे यह नहीं जानते कि यह इतनी शक्तिशाली कैसे है।

क्या है डार्क मैटर

डार्क एनर्जी के अलावा ब्रह्मांड में एक और रहस्यमय चीज है जिसे 'डार्क मैटर' कहा जाता है। यह ब्रह्मांड का लगभग 25% हिस्सा बनाता है, लेकिन यह भी अदृश्य है और हम इसके बारे में बहुत कम जानते हैं।

डार्क एनर्जी का महत्व

डार्क एनर्जी को समझना हमारे ब्रह्मांड को समझने के लिए बेहद जरूरी है। यह हमें यह समझने में मदद कर सकता है कि ब्रह्मांड कैसे बना और यह कैसे काम करता है। यह हमें यह भी बता सकता है कि ब्रह्मांड का अंत कैसे होगा। वैज्ञानिक डार्क एनर्जी के बारे में जानने के लिए बहुत उत्साहित हैं। वे इसे ब्रह्मांड का सबसे बड़ा रहस्य मानते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही इस रहस्य को सुलझाने में सक्षम होंगे और ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ

वैज्ञानिकों की नई थ्योरी

वैज्ञानिकों ने डार्क एनर्जी के बारे में कई थ्योरी दी हैं। एक थ्योरी यह है कि खाली जगह में भी ऊर्जा होती है, जो ब्रह्मांड के विस्तार का कारण बनती है। लेकिन, यह थ्योरी अभी तक पूरी तरह से सिद्ध नहीं हुई है। हाल ही में, वैज्ञानिकों ने डार्क एनर्जी के बारे में कुछ नए निष्कर्ष निकाले हैं। उन्होंने पाया है कि डार्क एनर्जी समय के साथ कमजोर हो सकती है। हालांकि, पुख्ता तौर पर अभी ये नहीं कहा जा सकता।फिर भी यदि यह सच है, तो यह ब्रह्मांड के अंत के बारे में हमारी समझ को बदल सकता है। वैज्ञानिक अभी भी डार्क एनर्जी के बारे में अधिक जानने की कोशिश कर रहे हैं। वे शक्तिशाली टेलिस्कोप और अन्य उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं ताकि ब्रह्मांड का बेहतर ढंग से समझ सकें।

ब्रह्मांड का विस्तार

लगभग 13.8 अरब साल पहले, बिग बैंग नामक एक घटना हुई थी, जिसने ब्रह्मांड की शुरुआत की। तब से ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है। लेकिन, वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह विस्तार धीरे-धीरे नहीं हो रहा है, बल्कि तेजी से हो रहा है। 19 मार्च को ही यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने अपने यूक्लिड मिशन का पहला डेटा दुनिया के सामने रखा है। इस डेटा में 2,60,00,000 आकाशगंगाएं शामिल हैं। इनमें 3,80,000 से अधिक आकाशगंगाओं की एक सूची शामिल है, जिनका आकार यूक्लिड ने मापा है। इस मिशन में 500 आकाशगंगाओं की करीब से तस्वीरें ली हैं। यूक्लिड ने ब्रह्मांड में तीन बड़े ऐसे डीप फील्ड्स की पहचान की है, जिनका साइज चंद्रमा से 300 गुना बड़ा है। इसके अलावा ब्रह्मांड के इस मकड़जाल में जो आकाशगंगा सबसे दूर है, उसकी दूरी 10.5 बिलियन प्रकाश वर्ष है।

धरती से 5 गुना बड़ा.. हीरों से भरा ग्रह मिल गया! नासा की नई खोज से दुनिया में मचा तहलका

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की दुनिया गजब है। कई बार यहां की नई खोजें रहस्यों को समझने का मौका देती हैं। लेकिन, कई बारे तहलका मचा देती हैं। इसी कड़ी में हाल ही में नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप ने एक चौंकाने वाली खोज की है। एक ऐसा ग्रह जो न केवल धरती से पांच गुना बड़ा है, बल्कि हीरों से भरा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को 55 कैन्क्री ई नाम दिया है जो धरती से 41 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है।

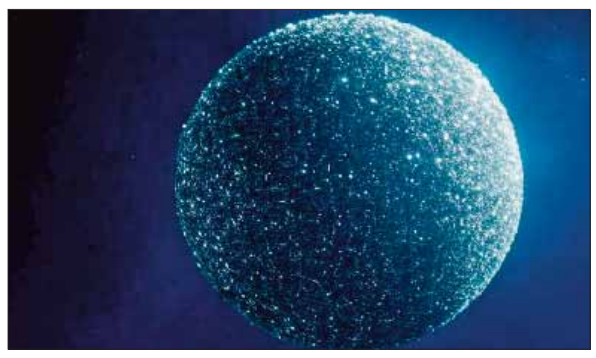

कहा जा रहा सुपर-अर्थ

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक 55 कैन्क्री ई को सुपर-अर्थ की श्रेणी में रखा गया है, क्योंकि इसका आकार धरती से करीब पांच गुना बड़ा है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस ग्रह का एक बड़ा हिस्सा हीरों और ग्रेफाइट जैसी कार्बन संरचनाओं से बना हो सकता है। यह खोज न केवल हमारी पारंपरिक ग्रह संरचना की समझ को चुनौती देती है, बल्कि यह भी बताती है कि ब्रह्मांड में कितनी विविधता हो सकती है। **ये उबलता हुआ लावा ग्रह है?** : इस ग्रह का तापमान बहुत अधिक है। चूंकि, यह अपने तारे के बहुत करीब स्थित है इसलिए यह मात्र 17 घंटों में अपनी कक्षा का एक चक्कर पूरा कर लेता है। इस वजह से इसका सतह तापमान 2400 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। जिससे यह पूरी तरह पिघले हुए लावा में तब्दील हो जाता है।

अंतरिक्ष विज्ञान में ऐतिहासिक मोड़

यह खोज वैज्ञानिकों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह ग्रहों के निर्माण की हमारी समझ को चुनौती देती है। कार्बन-आधारित ग्रहों की खोज से यह सवाल उठता है कि क्या अन्य ग्रहों पर भी ऐसे तत्व मौजूद हो सकते हैं। इनका उपयोग भविष्य में किया जा सके। साथ ही यह हमें यह भी बताता है कि अलग-अलग स्थितियों में ग्रहों का विकास कैसे होता है।

भविष्य की खोजों की दिशा

एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिक अब इस ग्रह के बारे में और गहराई से अध्ययन करने की योजना बना रहे हैं। इस खोज से यह भी संकेत मिलता है कि ब्रह्मांड में कई और ऐसे ग्रह हो सकते हैं जिनमें दुर्लभ धातुएं या रत्न हो सकते हैं। 55 कैन्क्री ई जैसी खोजें ब्रह्मांड को समझने में मदद करेंगी। साथ ही यह भी संकेत देंगी कि भविष्य में अंतरिक्ष में संसाधनों की खोज किस दिशा में जा सकती है। **ग्रह की अनोखी संरचना और रहस्य** : धरती की तुलना में 55 कैन्क्री ई का वातावरण पूरी तरह अलग है। वैज्ञानिकों ने इसके चारों ओर एक विशेष वायुमंडल की मौजूदगी का संकेत दिया है। जो शायद ज्वालामुखीय गतिविधियों के कारण बना है। इससे ग्रह की अस्थिरता और अधिक बढ़ जाती है जो इसे अध्ययन के लिए और भी रोचक बनाता है।

85 मीटर लंबी, ये है दुनिया की सबसे छोटी अंतरराष्ट्रीय सीमा

जानिए कैसे स्पेन के कब्जे में आ गया?

मैड्रिड। अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया का सबसे लंबा इंटरनेशनल बॉर्डर किन दो देशों के बीच है, तो आपका जवाब कनाडा और अमेरिका होगा। ये दोनों देश एक-दूसरे से सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय शेयर करते हैं। लेकिन, धरती पर सबसे छोटा इंटरनेशनल बॉर्डर कौन सा है? यह किन दो देशों के बीच है? तो बहुत कम लोगों को इसका जवाब पता होगा. ऐसे में आपको बता दें कि दुनिया की सबसे छोटी सीमा केवल 85 मीटर की है, जो स्पेन और मोरक्को को जोड़ती है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन यह एक छोटी चट्टान से जुड़ी है। इस चट्टान का नाम पेनोन दे वेलेज दे ला गोमेरा है, जो उत्तरी अफ्रीका में है। यह चट्टान बहुत खास है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे छोटी राष्ट्रीय सीमा का हिस्सा है। इस चट्टान का क्षेत्रफल करीब 19,000 वर्ग मीटर है। सन् 1564 में स्पेन के एक सेनापति पेड्रो दे एस्टोपिनन ने इस पर कब्जा किया था, तब से यह स्पेन का हिस्सा है।

पहले यह चट्टान था एक आइलैंड

मोरक्को ने कई बार इसे अपना बताया, लेकिन स्पेन ने कभी इसे छोड़ा नहीं। वहां स्पेन के सैनिक रहते हैं जो इसकी रक्षा करते हैं। बता दें कि स्पेन का जमीनी बॉर्डर करीब 2000 किलोमीटर लंबा है। यह अंतरराष्ट्रीय सीमा पुर्तगाल और फ्रांस से लगती है। लेकिन, स्पेन के पास कई देशों से जुड़ी हुई छोटी सीमाएं भी हैं।

बचपन में हुई एक दुखद घटना ने बदल दी पूरी जिंदगी

ऐसा क्या हुआ कि 22 साल तक महिला बनकर रहा ये शख्स

एजेंसी ▶▶| लंदन

सोशल मीडिया पर एक शख्स की कहानी खूब वायरल हो रही है। पुरुष होने के बावजूद डोमिनिकन रिपब्लिक के इस शख्स ने 22 साल तक एक महिला के रूप में अपनी जिंदगी गुजारी है। बचपन में हुई एक दुखद घटना ने इस शख्स की पूरी जिंदगी ही बदलकर रख दी। ये कहानी है डोमिनिकन रिपब्लिक के फ्रैंक टैवरेस की, जिन्हें 'नन-मैन'के नाम से भी जाना जाता है। फ्रैंक ने अपनी अविश्वसनीय कहानी से दुनिया को चौंका दिया, क्योंकि पुरुष होते हुए भी वह 22 साल तक एक महिला के रूप में रहे। उनकी कहानी बचपन में हुई एक दुखद घटना से शुरू होती है। फ्रैंक ने अपनी यह कहानी खुद एक रेडियो चैनल पर सुनाई। फ्रैंक सिर्फ चार साल के थे, जब उनके सिर से माता-पिता का साया उठ गया। घर की आर्थिक स्थिति इतनी ठीक नहीं थी कि दादा-दादी देखभाल कर सकें, इसलिए उन्हें डोमिनिकन ननों की देखभाल में एक कॉन्वेंट में रखा गया।

ननों के बीच पले-बढ़े

एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंक ननों के बीच पले-बढ़े। लड़कियों के कपड़े पहने और उनकी ही जीवनशैली को अपनाया। आलम ये रहा कि सात साल की उम्र तक फ्रैंक को एहसास ही नहीं हुआ कि वह लड़की नहीं, बल्कि लड़का हैं। जब इसका पता चला तो अस्वीकृति के डर से अपनी असली पहचान छिपाए रखने का फैसला किया, और कॉन्वेंट में सिस्टर मार्गरीटा के रूप में बने रहना जारी रखा।

फ्रैंक का रहस्य हो गया उजागर

रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंक के रहस्य से पर्दा तब उठ गया, जब कॉन्वेंट के शिक्षक ने उनके द्वारा सिल्विया को लिखे एक पत्र को देखा, जिससे पता चल गया कि सिस्टर मार्गरीटा कोई महिला नहीं, बल्कि एक पुरुष है।

कॉन्वेंट छोड़ने को हुए मजबूर :1979 में 22 साल तक नन बने रहने के बाद फ्रैंक को आखिरकार कॉन्वेंट छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। वह सीमस्ट्रेस में ट्रेंड थे, इसलिए उन्हें दर्जी का काम मिल गया, जिसे उन्होंने 73 की उम्र तक करना जारी रखा।

सिल्विया नाम की महिला से हो गया प्रेम

चूंकि फ्रैंक महिला नहीं, बल्कि पुरुष थे इसलिए किशोरावस्था में आकर कुछ ननों के लिए उनमें फीलिंग्स जागने लगी। इस कारण उन्हें दूसरे कॉन्वेंट में भेज दिया गया, जहां उन्हें सिल्विया नाम की एक महिला से उन्हें प्रेम हो गया। जब वह गर्भवती हुई, तब उसने फ्रैंक से कॉन्वेंट छोड़ने और खुद का परिवार शुरू करने का आग्रह किया। लेकिन, फ्रैंक ने यह कहकर इंकार कर दिया कि वह खुद की देखभाल करने वाली ननों को धोखा नहीं दे सकते। **लव स्टोरी का हुआ अंत** : इसी के साथ फ्रैंक की लव स्टोरी का भी अंत हो गया, क्योंकि सिल्विया उन्हें छोड़कर अमेरिका चली गई। फ्रैंक का कहना है कि वह अपनी बेटी से कभी मिल नहीं सके, लेकिन वह उसे अपने जीवन का प्यार मानते हैं।